Kuch Alfaaz

Sana Mahmood

Copyright © 2018, Sana Mahmood
All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or any information storage and retrieval system now known or to be invented, without permission in writing from the publisher, except by a reviewer who wishes to quote brief passages in connection with a review written for inclusion in a magazine, newspaper or broadcast.

Published in India by Prowess Publishing
YRK Towers, Thadikara Swamy Koil St, Alandur,
Chennai, Tamil Nadu 600016

ISBN-10: 1-5457-2178-5
ISBN-13: 978-1-5457-2178-0

Library of Congress Cataloging in Publication

अनुक्रम

नफ़्ज़ “कुछ अलफ़ाज़” की 1
याद 3
मेरी क़ायनात तुम 5
कश-म-कश 7
गुज़री यादें 9
मेरी मेज़ पर 12
इंतज़ार 13
चोरी 15
एक रोज़ की बात हैं 16
मैं अंधेरा! 18
गर्दिश 21
पैगाम-ए-मोहब्बत 22
मुखौटे! 24
तेरी फ़िक्र 26
चिट्ठी 27
ख़्वाब से मोहब्बत 29
खोया बचपन 31
कहूँ तो कैसे कहूँ? 33

माँ!! 35
पानी. 37
सुकून 39
इंसान कौन हैं? 41
बात एक सर्द रात की!. 43
मैं!. 45
शायद तुम्हें मालूम ना हो 47
दुआ. 49
यह ख़ामोशी भी अजीब हैं! 50
सरहद पार वाली मोहब्बत 51
ये भी खूब हैं. 53
मेरे घर की तरफ मुड़ती वो गली! 55

नफ़्ज़ "कुछ अलफ़ाज़" की

इस किताब की नफ़्ज़ तो देखें,

कुछ पन्नो पर नज़र आते हैं,

मोहब्बत में डूबे परवाने,

कुछ पर रंग बिखरा आँसुओं का लगता हैं!

कहीं जवानी की खिड़की से,

बचपन के नज़ारे दिखते हैं,

कहीं हाथ मलते,

ज़िन्दगी के बहाने मिलते हैं!

कहीं चिट्ठी में छुपा राज़ हैं,

तो कहीं क़ैद हैं अफसाना कोई रात का,

कहीं सुकून ढूंढ़ती आँखे है,

तो कहीं इंसान तोलते अलफ़ाज़!

कुछ अलफ़ाज़

किसी पन्ने पर माँ का आँचल लहराया,

कहीं तलाश खुद की हो रही,

कहीं कश-म-कश में डोलती हवा,

और कहीं ख्वाब हकीकत में तबदील हो रहे!

आओ इस किताब की नफ़्ज़ तो देखें!!

याद

आँखें बन्ध की, तो आज एक बात याद आई,
किसी और की नहीं, अपनी ही मुस्कान याद आई!

जब लगी ढूँढने अपनी वही हँसी मैं,
ढेर सारी तेरी ही यादें याद आई!

घंटो की मुलाक़ातें, वो चुलबुली सी बातें,
वो हर इम्ली की चटखार याद आई!

चाय की चुस्कियो से मज़ेदार बातें,
आज तेरी मुस्कुराती वो आँखें याद आई!

कभी हाथ पकड़ कर सड़क पार करते,
कभी गुलाबी गुलाब जामुन वाली मिठाई याद आई!

कुछ अलफ़ाज़

हँसी के ठहाको में घुलते रंग,
और मेरे आँसू पोछते तेरी हथेली याद आई!

काम करते हुए तेरा वो सिर खुजाना,
फ़िक्र छुपाने की तेरी वो कोशिश याद आई!

आज मुझे तेरी हर बात याद आई,
अपनी ज़िंदगी में तेरी कमी याद आई,
फिर से मिलने की वो आस याद आई,
आज मुझे तेरी हर बात याद आई!!

मेरी क़ायनात तुम

तुम ऐसे बने हो क़ायनात मेरी,
मेरे हर रंग में नूर तुमसे हैं,
मेरे सीने में हो जान मेरी,
तुम ऐसे बने हो क़ायनात मेरी!

कितना था ढूँढा हर सेहरा में तुम्हें,
ज़र्रे ज़र्रे से तेरा पता पूछा,
काफ़िले गुज़र गये पर बस खाक मिली,
तुम ऐसे बने हो क़ायनात मेरी!

मेरे सीने में हो जान मेरी,
तुम ऐसे बने हो क़ायनात मेरी!

यह जूसतुजू आख़िर ले ही आई,
तुम्हें मेरे आँचल की छाव में,
फलक पर हैं अब हर चाह मेरी,
तुम ऐसे बने हो क़ायनात मेरी !

मेरे सीने में हो जान मेरी,
तुम ऐसे बने हो क़ायनात मेरी !

कश-म-कश

यह आज दिल किस कश-म-कश में हैं?
यह जान कैसी उलझन में हैं?

आ पास मेरे, देखूँ छूह कर तुझे,
तू हक़ीक़त हैं या ख़्वाब मेरा,
तू तस्वीर हैं या तस्सवर् मेरा!

जो तू हुआ ख़्वाब तो करती हूँ ये दुआ,
ना जागू ऐसी नींद से मैं,
हो जाऊ दफ़न इसी उम्मीद से मैं!

ये नहीं तो ऐ ख़ुदा,
कर दे दीवाना कि तुझे हक़ीक़त समझू,
हर चिराग को तेरा ही नूर समझू!

खोई रहूँ तेरी याद में,
हर ज़र्रे को तेरी तस्वीर समझू !

आ पास मेरे, देखूँ छूह कर तुझे,
तू हक़ीक़त हैं या ख़्वाब मेरा,
तू तस्वीर हैं या तस्सवर् मेरा !

गुज़री यादें

तुम्हारी याद को जैसे,
क़ैद सा कर लिया हैं इन आँखो में!

जब तुम छूह कर एहसास दिलाया करते थे,
कि दिल इतनी ज़ोर से भी धड़कता हैं!

जब देखने से तुम्हारे,
आँखें झुक जाया करती थी!

जब मेरी झुकी आँखो को तुम,
चूम लिया करते थे!

जब सीने से लगा कर,
अपनी मोहब्बत का इज़हार किया करते थे!

जब अपनी उंगलियों को,
मेरी उंगलियों से मिला कर,
मुझे अपने क़रीब लाया करते थे!

जब तुम्हारी खुशबू से,
मेरी साँसे महका करती थी!

जब तुम्हारे होठ,
मेरे काँपते होंटो को छुआ करते थे!

जब मेरा हाथ थामे,
तुम घंटो बैठा करते थे!
जब कोई और चीज़ के होने ना होने का एहसास,
ख़तम सा हो जाता था!

जब तुम्हारी मेरी आँखो में,
चमक हुआ करती थी,
प्यार हुआ करता था!

You've Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: https://store.prowesspub.com